दिखाया जलवा श्याम सेठ ने

खाने के पड़े लाले भंडार खोल डाले,
घर में गरीब के,
दिखाया जलवा श्याम सेठ ने ,

काश मैं ये पहले जान पाटा दर दर आंसू न बहाता,
आ जाता जो श्याम की शरण में होता न कलेश कोई मन में,
मैंने सब को अजमाया कोई काम नहीं आया
मुश्किल के वक्त में
दिखाया जलवा श्याम सेठ ने ,

अपने सभी हो गए बेगाने सुन ने पड़े ताने और उल्हाने,
जीवन की खत्म हुई आशा टूट गई आशा और निराशा ,
च्न्गाल हुआ एसा बेहाल हुआ एसा केसे ब्यान करू,
दिखाया जलवा श्याम सेठ ने ,

भटक रहा अफात का मार टूटी नैया दूर था किनारा ,
थाम ली कल्हाई मेरी श्याम ने,
आके बना हारे का सहारा,
लिखे कृष्ण ब्रिज वासी हुई दूर सब उदासी बाबा के धाम में,
दिखाया जलवा श्याम सेठ ने ,

Source: https://www.bharattemples.com/dikhaya-jlwa-mere-shyam-seth-ne/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw